निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर

दिनांक 22 जून 2024 को गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बालापार में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ. जी. यस. तोमर ने 148 मरीजों को निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श दिया। डॉ. जी. यस. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद विश्व की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आज के समय में दुनिया आयुर्वेद चिकित्सा का तेजी से अनुसरण कर रहे हैं। आयुर्वेद में जीवनशैली परिवर्तन, प्राकृतिक चिकित्सा और आहार पर ध्यान दिया जाए तो जटिल और गंभीर रोग का उपचार शत प्रतिशत संभव है। योग, प्राणायाम और ध्यान के साथ नियमित चिकित्सीय परामर्श से रोगी निरोग रहकर स्वस्थ जीवन जी सकते है। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में डॉ. जी. यस. तोमर ने शिविर में विभिन्न रोगों से ग्रसित 148 रोगियों को उपचार परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में अस्थमा, स्पाइन, गठिया और अन्य समस्याएं खान पान अनियमित दिनचर्या से प्रभावित हो रही है। सही उपचार के लिए आयुर्वेद में जीवनशैली परिवर्तन, प्राकृतिक चिकित्सा और आहार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। योग, प्राणायाम, और ध्यान से जटिल रोगों को नियंत्रित किया जा सकता है। ओपीडी में मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श देते हुए कहा कि डॉक्टर तोमर ने कहा कि आजकल लोगों का आयुर्वेद की तरफ रुझान बढ़ रहा है क्योंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है और आसपास की जड़ी बूटियां से और खान-पान में सुधार करके हम अपना स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

शिविर में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर शिक्षा के साथ चिकित्सा क्षेत्र में भी जन मानस की सेवा करने का पुनीत कार्य कर रहा है। डॉ. जी. यस. तोमर जी आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र में प्रतिष्ठत है। आज के समय में हर मानव मानसिक तनाव और दर्द से जूझ रहे है ऐसे में सही समय पर कुशल चिकित्सक की सलाह और उपचार स्वयं की स्वस्थ रखा जा सकता है। आयुर्वेद चिकित्सा में व्यायाम, दवाओं का प्रयोग, चिकित्सा फिजिओथेरेपी, योग या चिकित्सा आसन से चिकित्सा में सुधार हो रहा है। शिविर में आए सभी मरीजों का शुगर, ब्लड प्रेशर, वजन और अन्य जांच निःशुल्क किया गया। शिविर में आयुर्वेद कालेज के प्रधानाचार्य डा. एन. यस. मंजुनाथन, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल एवं प्रबंधक जी .के. मिश्रा सहित सभी चिकित्सकों ने सहयोग किया।

DELL